दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 209
मुरादाबाद
(Friday)
20 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

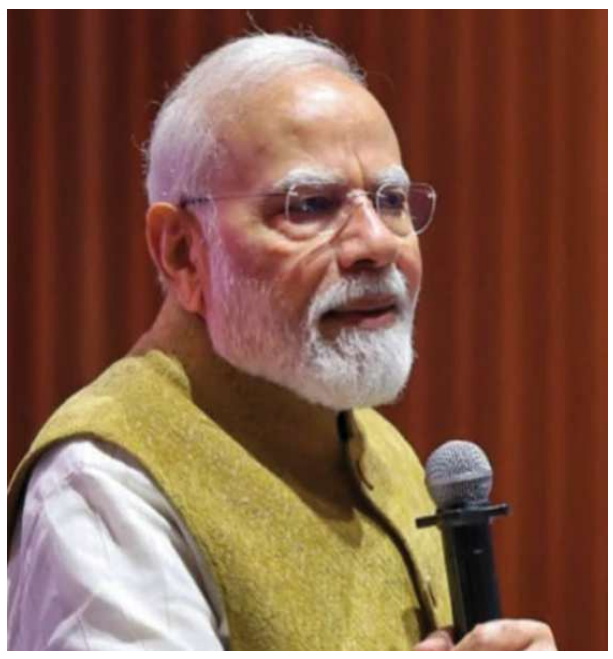
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी बोलेः 'पुरानी सरकारों का अनुभव खट्टा था, अब देश में है दोस्त सरकार';उद्योगपतियों से मांगे सुझाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिक्की के 100वें वार्षिक सम्मेलन में कहा कि 12-13 वर्षों में देश के 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। उन्होंने 70 के दशक के %गरीबी हटाओ% नारे का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय नीतियों और नीयत में कमी थी। पीएम ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सफर को याद किया और उद्योग जगत से विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के लिए अगले 20 वर्षों के लक्ष्य तय करने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दिल्ली के भारत मंडपम में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) की



100वीं वार्षिक महासभा और वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने देश-विदेश से आए उद्योगपतियों और नीति निर्माताओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देश की आर्थिक प्रगति, गरीबी उन्मूलन और भारतीय उद्योग जगत की भूमिका पर बात की। इतना ही नहीं, कांग्रेस को भी आड़े हाथों लिया। गरीबी हटाओ के नारे के समय नीतियों और नीयत में कमी थी- पीएम मोदी- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 70 के दशक में जब देश में %गरीबी हटाओ% का नारा दिया गया था, तब भारत की आबादी करीब 50 करोड़ थी। गरीबी उस समय भी दूर हो सकती थी, लेकिन नीतियों में कमी रही और दुर्भाग्य से नीयत में भी कमी थी। फिक्की इस बात का साक्षी है। उन्होंने कहा कि जब सही नीयत से काम हुआ और सरकार सही दिशा में आगे बढ़ी तो सिर्फ 12-13 वर्षों में 50 करोड़ गरीब गरीबी से बाहर निकल आए। यह दिखाता है कि भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह सही और सटीक है। इसमें देश की सफलता की गारंटी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीते 100 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने कई दौर देखे हैं।

देश ने लाइसेंस-कोटा राज देखा, राष्ट्रीयकरण का असफल प्रयोग भी देखा। इसके बाद 21वीं सदी में एक ऐसा दौर आया, जब भारतीय अर्थव्यवस्था को फ्रेजाइल फाइव में गिना जाने लगा। हालांकि, पिछले 12 वर्षों में देशवासियों ने अपनी मेहनत से इस स्थिति को बदला है। इसमें युवाओं, किसानों, श्रमिकों और उद्योग जगत से जुड़े लोगों का बड़ा योगदान रहा है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि सिर्फ गालियां देने से देश आगे नहीं बढ़ता।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि आज भारत में प्रगति की गति बहुत तेज है। इसके साथ ही गरीबी से बाहर निकलने की रफ्तार भी काफी तेज है। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट हम सभी को गर्व से भरने वाली है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, सिर्फ 12-13 वर्षों में भारत के 50 करोड़ लोगों ने गरीबी को पराजित किया है। अगले 20 वर्षों के लक्ष्य तय करे भारतीय उद्योग जगत- प्रधानमंत्री- प्रधानमंत्री ने फिक्की के 100 वर्षों के सफर का जिक्र करते हुए उद्योग जगत से भविष्य के लक्ष्य तय करने की अपील की। उन्होंने कहा कि फिक्की ने अपने 100 वर्षों में देश के उद्योग जगत को कई उपलब्धियां हासिल करते हुए देखा है। अब समय यह तय करने का है कि भारतीय उद्योग अगले 20 वर्षों में क्या हासिल कर सकता है। विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में उद्योग जगत अपना योगदान कैसे बढ़ा सकता है, इस पर भी विचार करना चाहिए। इंडिया फर्स्ट को निवेश का आधार बनाएं- पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्योग जगत से अपील की कि अगले 20 वर्षों के लिए किए जाने वाले हर दीर्घकालिक निवेश फैसले में 'India First' को आधार बनाएं। उन्होंने कहा कि इससे देश आत्मनिर्भर बनेगा और कारोबार के विकास के लिए भी नए अवसर खुलेंगे। गांधी के स्वदेशी विचारों को घर-घर पहुंचाने की अपील- प्रधानमंत्री- पीएम मोदी ने महात्मा गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि 1930 में गांधी भी यही बात कहकर गए थे और आज इतने साल बाद उन्हें भी यही बात दोहरानी पड़ रही है। उन्होंने कहा, मेरी मत मानो, गांधी की तो मानो। वे भी स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत की बात कहकर गए थे। प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत से अपनी इस बात को भी घर-घर तक पहुंचाने की अपील की।भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में उद्योगपतियों की क्या भूमिका होगी? प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को दुनिया में फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड कहा जाता है, इसके बावजूद देश हर साल एपीआई, बल्क ड्रग्स और ड्रग्स इंटरमीडिएट्स का अरबों डॉलर का आयात करता है। ऐसी सैकड़ों श्रेणियां हैं, जिनमें भारत आज भी आयात पर निर्भर है। उन्होंने फार्मा उद्योग से ऐसे इंग्रेडिएंट्स की पहचान करने को कहा, जिन्हें भारत में ही बनाया जा सकता है। साथ ही नई तकनीक और बड़े उत्पादन संयंत्रों में निवेश कर दूसरे देशों के मुकाबले प्रतिस्पर्धी बनने की संभावनाएं तलाशने पर जोर दिया। यह दोस्त सरकार है- पीएम मोदी- पीएम मोदी ने यह भी कहा कि आपका पुरानी सरकारों का अनुभव इतना खट्टा है कि उसका खामियाजा मुझे भुगतना पड़ रहा है। यह पुरानी सरकार नहीं है, यह दोस्त सरकार है। यह दोस्ती निभाना जानती है और आप मेरे सच्चे दोस्त हैं। इसलिए बिना संकोच, बिना झिझक, मुझे खुलकर लिखकर भेजिए कि अभी भी क्या सुधार जरूरी है।प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि कोई भी देश तब तरक्की करता है जब वह अपने किसानों, छोटे उद्यमियों, उद्योगों, धन सृजन करने वालों और करदाताओं का सम्मान करता है। हमने कॉर्पोरेट टैक्स की मूल दर को 2014 के 30त्न से घटाकर 22त्न कर दिया है। आज, ?12 लाख तक की आय टैक्स-फ्री है। उन्होंने कहा कि हमने टैक्स रिटर्न और रिफंड की प्रक्रिया को भी सरल बना दिया है। पहले रिफंड मिलने में आठ महीने तक लग जाते थे, लेकिन अब यह काम एक हफ्ते के भीतर पूरा हो जाता है

संक्षिप्त समाचार

मंत्री राजभर बोले, अपनी जान बचाएं आजम, हिम्मत है तो अखिलेश से मुसलमान को सीएम बनाने के बारे में कहें

मंत्री राजभर ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर आजम खान में हिम्मत है तो अखिलेश यादव से कहें कि यूपी का अगला मुख्यमंत्री किसी मुसलमान को घोषित करें।सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद सपा नेता आजम खां जेल से रिहा होकर रामपुर पहुंच गए हैं। रामपुर में उन्होंने जनता से कहा कि 2027 का चुनाव इंकलाब होगा। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए यूपी सरकार के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि आजम खान पहले तो अपनी जान बचाएं। उन्होंने जिंदगी भर गुलामी की है। उन्होंने कहा कि मैं आजम खान को चुनौती देता हूं कि अगर उनमें हिम्मत है तो अखिलेश यादव से यूपी का अगला मुख्यमंत्री किसी मुसलमान को घोषित करने की बात करें। अखिलेश यादव उन्हें पार्टी से निकालकर बाहर कर देंगे।रामपुर पहुंचते ही दिखाएं पुराने तेवर- डासना जेल से रिहा होने के बाद बुधवार की रात को रामपुर पहुंचे सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां ने अपने पुराने तेवर दिखाए। उन्होंने देश की मौजूदा परिस्थितियों, सांविधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब यकीन हो गया है कि देश आजाद है, लेकिन संविधान कैद है।उठानी होगी। उन्होंने दावा किया कि 2027 में चुनाव नहीं, इंकलाब होगा। यह लड़ाई धर्म और जाति के नाम पर नहीं, बल्कि मुद्दों पर लड़ी जाएगी। साथ ही साफ किया कि उनका मकसद किसी से बदला लेना नहीं, बल्कि न्याय की लड़ाई लड़ना है।

इंदिरा गांधी जयंतीः मल्लिकार्जुन खरगे ने शक्ति स्थल पर दी श्रद्धांजलि, बोले- उनका नेतृत्व हमेशा प्रेरित करेगा

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 109वीं जयंती पर मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी ने दिल्ली के शक्ति स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी उनके योगदान को याद किया।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 109वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित शक्ति स्थल पर पहुंचकर इंदिरा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी पूर्व प्रधानमंत्री को याद करते हुए उन्हें भारत की आयरन लेडी बताया। उन्होंने इंदिरा गांधी को अदम्य साहस, संघर्ष और मजबूत नेतृत्व का प्रतीक करार दिया। खरगे ने अपने पोस्ट में लिखा, भारत की आयरन लेडी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर उन्हें सादर नमन। वह अदम्य साहस, संघर्ष और मजबूत नेतृत्व की प्रतीक थीं। देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए उन्होंने अपना जीवन न्योछावर कर दिया। राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण, योगदान, दृढ़ इच्छाशक्ति और निर्णायक नेतृत्व



सदैव हमारी प्रेरणा बना रहेगा।कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की और देश के विकास में उनके योगदान को याद किया। एक्स हैंडल पर अपने पोस्ट में मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि इंदिरा गांधी के कार्यकाल में देश ने कई महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और संस्थागत बदलाव देखे। उन्होंने कृषि उत्पादन को मजबूत करने, बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और भारत के अंतरिक्ष एवं परमाणु कार्यक्रमों को समर्थन देने में इंदिरा गांधी की भूमिका का उल्लेख किया।भारत की %आयरन लेडी% के नाम से मशहूर इंदिरा गांधी का जन्म 19 नवंबर, 1917 को उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में एक कश्मीरी पंडित परिवार में हुआ था। वह भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और कमला नेहरू की बेटी थीं। इंदिरा गांधी ने 1966 से 1977 तक प्रधानमंत्री के रूप में देश की कमान संभाली। इसके बाद जनवरी 1980 में वह दोबारा प्रधानमंत्री बनीं और 1984 में उनकी हत्या होने तक इस पद पर रहीं। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में निभाई अहम भूमिका- इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक 1971 का भारत-पाकिस्तान युद्ध था। उनके नेतृत्व में लड़े गए इस युद्ध के परिणामस्वरूप बांग्लादेश का गठन हुआ। इस संघर्ष में उनकी भूमिका ने उन्हें निर्णायक फैसले लेने वाली और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली नेता के रूप में स्थापित किया। उनकी जयंती 19 नवंबर को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है। उनके योगदान को याद करने के लिए समर्पित किया गया है।

बालासाहेब की तस्वीर गलती से फटीः रामदास अठावले ने जताया खेद, राहुल गांधी पर बरसे केंद्रीय मंत्री

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने सोनिया गांधी की किताब के पन्ने फाड़ने के दौरान बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर फटने पर सफाई दी। उन्होंने कहा कि यह गलती से हुआ, जानबूझकर नहीं। अठावले ने खेद जताने की बात कही और राहुल गांधी के लोकतंत्र संबंधी बयानों की आलोचना भी की।शिवसेना सदस्यों की ओर से कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी की किताब के पन्ने फाड़ने



के मामले पर, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर फाड़ने का मकसद नहीं था। इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधा। अठावले ने क्या कहा? -केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा, वीर सावरकर के खिलाफ गलत बातें कही गई हैं, जिन्होंने पोर्ट ब्लेयर की सेलुलर जेल में कई साल बिताए थे। विरोध जताते हुए पन्ने फाड़ते समय गलती से बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर भी फट गई। ऐसा जानबूझकर नहीं किया गया था, और इसके लिए खेद जताया जाएगा। इसमें राजनीति करने की जरूरत नहीं है।

उस निर्दोष बच्चे का क्या कसूर था? संवेदना का एक शब्द तक नहीं आया;सीएम ने बिना नाम लिए अखिलेश पर कसा तंज

सीएम योगी ने माफिया और अपराधियों को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि अगर किसी ने माफियागिरी करने की कोशिश की तो उसे मिट्टी में मिलाने में देर नहीं लगेगी। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा का मतलब गुंडागर्दी, अराजकता, दंगे और कर्फ्यू है। माफिया उनके सहयोगी रहे हैं और उन्होंने हमेशा जनता के साथ विश्वासघात किया है।सीएम योगी ने अखिलेश यादव के रोड शो में शामिल जेसीबी की चपेट में आए बच्चे की मौत पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रशासन को निर्देश दिया है कि सड़कों पर अराजकता फैलाने वाले उपद्रवियों को चिह्नित कर ऐसी सजा दिलाई जाए, जिसे उनकी पीढ़ियां याद रखें। उन्होंने कहा कि झंगहा से पढ़ाई के



लिए आए 12-13 वर्षीय मासूम छात्र का क्या कसूर था, जिसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। घटना पर संवेदना तक नहीं जताई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह पीड़ित परिवार से मिलने जाएंगे। अखिलेश अयोध्या से चुनाव लड़ते हैं तो मैं भी वहीं से भरूंगा पर्चा- सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि अगर अखिलेश यादव वहां से नामांकन दाखिल करेंगे तो वह भी उसी सीट से अपना पर्चा भरेंगे। दोनों के बीच सीधा मुकाबला होना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि आप वहां से अपना नामांकन दाखिल करते हैं तो मैं भी अपना नामांकन दाखिल करूंगा। आमने-सामने का मुकाबला होने दीजिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव में सीधे मुकाबले का साहस नहीं है। कमजोर व्यक्ति हमेशा पीछे से वार करता है।सीएम योगी ने माफिया और अपराधियों को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि अगर किसी ने माफियागिरी करने की कोशिश की तो उसे मिट्टी में मिलाने में देर नहीं लगेगी। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा का मतलब गुंडागर्दी, अराजकता, दंगे और कर्फ्यू है। माफिया उनके सहयोगी रहे हैं और उन्होंने हमेशा जनता के साथ विश्वासघात किया है।सीएम ने कहा कि गुंडों और माफिया को कानून के बल पर ही ठीक किया जा सकता है। अब एक बार फिर उनके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।वानिकी एवं औद्यानिकी यूनिवर्सिटी की रखी आधारशिला-उत्तर प्रदेश को पहली वानिकी एवं औद्यानिकी यूनिवर्सिटी की सौगात मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को गोरखपुर के कैम्पियरगंज विधानसभा क्षेत्र के भारीवैसी में प्रस्तावित विश्वविद्यालय का भूमि पूजन किया और आधारशिला रखी। करीब 491 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह विश्वविद्यालय 123 एकड़ से अधिक भूमि पर विकसित किया जाएगा।

बाल ठाकरे की तस्वीर फाड़ने पर बवालः शाइना एनसी के खिलाफ सड़क पर उतरा उद्धव गुट, हिरासत में कई कार्यकर्ता



मुंबई में बाल ठाकरे की तस्वीर फाड़ने के आरोप में शाइना एनसी के खिलाफ शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और एफआईआर की मांग की। विवाद सोनिया गांधी की किताब के विरोध में शुरू हुआ था। वहीं, शाइना एनसी ने सफाई में कहा कि उन्होंने मणिशंकर अय्यर की तस्वीर फाड़ी थी।मुंबई में गुरूवार को शिवसेना (यूबीटी) के बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने शिवसेना नेता शाइना एनसी के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन पर एक कार्यक्रम के दौरान दिवंगत बाल ठाकरे की तस्वीर फाड़ने का आरोप है। प्रदर्शन के बाद कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया गया। दादर स्थित शिवसेना (यूबीटी) के मुख्यालय सेना भवन के बाहर सैकड़ों प्रदर्शनकारी जुटे। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए परिसर के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। एक अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान शिवसेना (यूबीटी) के कई समर्थकों को हिरासत में लिया गया।दरअसल, बुधवार को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की थी। इसमें शाइना एनसी समेत पार्टी के नेताओं ने सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव की प्रतियां फाड़ी थीं।

संपादकीय Editorial

A new Mahabharata will be written.

Himachal Pradesh is witnessing a juncture between the fourth-year government and the fourth-year opposition, where the public is becoming more alert and the government is becoming more generous. The government has issued a message of self-assertion in the recent cabinet meeting, while a new round of testing is underway between the two sides in the winter session. This year, the government's celebration of its four-year term will showcase its power and strength in Hamirpur, and it will be like an election script. However, the most powerful cabinet announcement in four years has now come, with the Himachal government unveiling its Happy Family Scheme. Under this scheme, 350,000 women aged 18 to 59 will receive a monthly sum of Rs. 1,500. The electoral grant banner is highlighting Congress's guarantees, while eligible families will receive 300 units of free electricity per month. Clearly, by writing a speech promising implementation of such announcements, the Sukhu government has laid bare its documents. The guarantee of ?1,500 per month for the welfare of 350,000 women will have some impact that could disrupt the opposition's calculations. Similarly, 300 units of free electricity will have its own unique world and political concerns. The electoral trappings of the 300,000 families and 350,000 women in Himachal Pradesh are a new mantra in the electoral strategy so far. Whether the public thinks as ordinary voters or acts as if they are being questioned by the benefited community remains to be seen. The cabinet meeting is opening up 2,376 employment opportunities. The government is increasing the subsidy guarantee in the transport sector with the self-employment initiative, while routes are being identified under the Rajiv Gandhi Startup Scheme. The subsidy on the purchase of diesel buses has been increased from 30 to 40 percent, and the subsidy on the purchase of electric buses will now be increased from 40 to 50 percent. The support price for apples and ginger is being increased.

While several sectors have once again emerged on the decision map, new resolutions are being drafted. Overall, the government's priorities are now self-signing their own report card. The winter session will, to some extent, attempt to determine what the flag of Himachal's socially conscious political consciousness wants from the next election, and what color it wishes to display. The opposition will also use this as evidence of its presence and resolve to demonstrate whose side the moonlight now lies on. Overall, the final meeting of the winter session at the Tapovan complex could raise the temperature to the point where the government might be tempted to seize power. On the other hand, the government will cite its own democratic accountability, financial efficiency, vision, administrative initiative, and willpower in the face of systemic change. In its call to rise, society will evaluate the power in your hands, and the moment will be in our sights. If the Sukhu government's new experiments in the state's political model and the content of systemic change have anything to say, the opposition will have many imbalances, details, and traces of citizen expectations to share. However, politics is no longer so simple that the wind of exchanges blows at the cusp of elections, but neither is it so naive that the caravan simply passes by.

Teach children the difference between good and bad.

Saying "no" is crucial for children's healthy development, as it teaches them patience, reality, and how to cope with the outside world. Always fulfilling their every demand can lead to problems like lack of self-confidence and depression. Saying "no" develops children's patience and understanding of reality. Fulfilling every demand diminishes self-confidence and the ability to deal with the outside world. Psychological research suggests saying "no" is essential for children's healthy brain development. It's often said that children's tender feelings should be understood. They shouldn't be overly restrained. They shouldn't be told no to anything. However, many organizations working for children emphasize that if you don't say no to a child, they develop a habit of always saying "yes." They never want to hear no. Even at home, children's demands can't always be met, as fulfilling demands requires resources and time. It's not necessary that every family has the resources and ability to fulfill a child's every wish. Furthermore, children don't always stay at home. They go to school, play with other children. When they grow up, they also work or pursue their own careers. This cycle of a child's life is extremely challenging. If a child is not allowed to go out and listen, their self-confidence can be shaken. They may become depressed. Sometimes, their natural development is even hampered.

Many prominent industrialists in our country have written in their biographies that even if they have the resources, they shouldn't fulfill every wish to teach a child how to live a healthy life. They should be taught the importance of hard work and saving money. This is even more important in today's consumerist and competitive era. The outside world doesn't offer the same gentleness that many yes-men often live with. To help them cope with the outside world, it's important to say no from time to time. If we look at the old family structure in our country, it was said that if you want to spoil children, you should indulge their every whim. If you want to teach them the right way to live, you shouldn't fulfill their every demand. Numerous studies support these teachings from elders. Numerous studies in psychology and neuroscience suggest that a child's refusal to listen is essential for a healthy mental development. When children disobey, even if they are upset at the time, they also reflect on it. In many cases, they never discuss the reason for their refusal. These studies also suggest that a boundary line should always be drawn with children. It is important to let children know what they can and cannot do. It is also essential to understand which demands parents or other family members can fulfill and which cannot. By doing this, children become patient and learn to respect others' wishes. They also consider the family's financial situation and how much they can afford. Children have so much understanding that they can recognize reality at an early age. They also focus on the truth of life and the world. Psychologists have provided numerous examples of this. Imagine a child playing in a park. It's dark. It's time to return home, but the child still wants to play. The mention of returning home makes them upset. In such a situation, how can one not tell them without feeling sad and understanding of one's limits? An example is given like this: "I know you want to play more and you're feeling bad about leaving the park, but we can't play anymore. We have to go home. It's time to go home." Similarly, if a child insists on buying something, sometimes you have to explain, sometimes you have to say no sternly. Nowadays, it's common for parents to buy whatever they ask for while standing in a mall or shop. Such a child may ask for something tomorrow that they can't afford or that isn't right for them, so you'll have to say no.

These days, children often insist on getting a mobile phone. Many parents even get it for them, despite numerous studies showing that mobile phones are harmful for children up to a certain age. Therefore, they must be told, "You can't have a phone right now." Many children cry when they don't get what they want, throw things around, and stop eating and drinking. Many parents give in to their children's stubbornness. They think that if their child cries and refuses to eat or drink, they will suffer harm. However, this is a form of blackmailing by their children to get their way. Once parents give in to this, they will always resort to similar insistence to get their way. Therefore, don't give in to their children's every insistence and demand. Don't dismiss every complaint as valid; consider the pros and cons. Even if the child's intentions are not wrong, they often make excuses and even blame others to defend themselves. In fact, childhood is the time when they learn many behavioral patterns. This is the time when they should be taught the difference between good and bad. This has become even more important in today's times.

Merit should be given first priority.

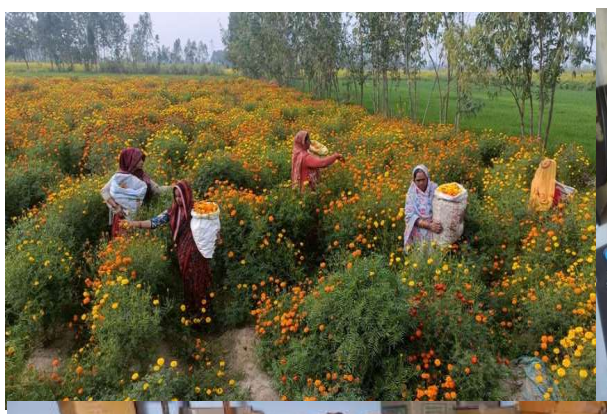
No action should be taken under political expediency or pressure from a particular class, which could have long-term consequences that could harm the national interest. Questions have been raised regarding the domicile status of married women in the Bihar teacher recruitment process. The policy is considered contrary to the principles of national unity and merit. Such policies undermine the country's diversity and federal structure. Recently, the Bihar government made a policy decision regarding domicile status in teacher recruitment that raises concerns. The condition imposed in the advertisement for the recruitment of 32,000 teachers is that women from other states who are married in Bihar will not be able to avail the benefits of domicile status and reservation. Only those women whose parents have an address in Bihar will be eligible for this benefit. A certificate proving the husband's residence in Bihar will not be valid. Why should a woman who has become a daughter-in-law of Bihar and whose husband is a resident of Bihar be denied the right to become a teacher?

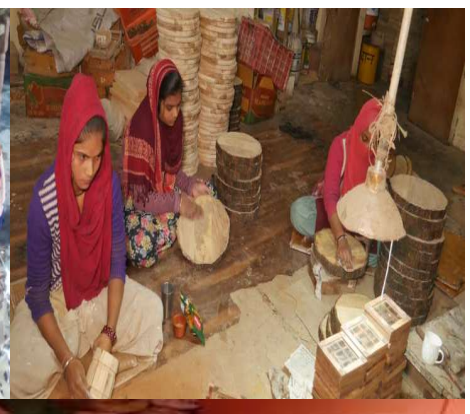
Lakhs of teachers have been recruited in Bihar in the past few years, but there was no such condition, so why is it necessary now? Do we want to advance our daughters, or do we want to create obstacles in their path by imposing such conditions? When the central and state governments are implementing various schemes to advance daughters, and the entire society is benefiting from them, such conditions do not seem appropriate. Ultimately, merit should be the key factor in jobs, not just domicile or belonging to a particular class.

Our Constitution makers made visionary provisions for the unity and integrity of the country, which made it possible to hold together a vast and diverse country like this continent. This is why former British Prime Minister Winston Churchill's prediction that India would disintegrate within 50 years proved wrong. India is seen as a model of democracy throughout the world, and the biggest reason for this is its diversity. The diversity of languages, dialects, sects, cultures, customs, and lifestyles in India is seen in very few countries. The country's systems also reflect an effort to strengthen unity amidst this diversity.All-India services like the IAS, IPS, and Indian Forest Service are examples of this. Officers in central services are also appointed nationwide. This tradition is also evident in the political system. Prime Minister Manmohan Singh was born in Punjab and taught in Delhi, although he was elected to the Rajya Sabha from Assam. Similarly, Indira Gandhi's political base was in Uttar Pradesh and Delhi, but she also contested elections from Karnataka and Andhra Pradesh. Hundreds of such examples can be found that are considered positive from the perspective of national unity.

In the last few decades, national institutions like the IITs have also given this unity a new dimension. A student from Chennai studies at an IIT in Delhi, Guwahati, or Kanpur, while a student from Bihar studies at one in Chennai. In these institutions, students from all states of the country study together. Here, only merit and intelligence are important, not domicile. This has far-reaching social impact. Students understand the people of other states, their culture, and customs, and learn to respect diversity by living with them. This social unity serves as the backbone of national unity. Therefore, such a decision by the Bihar government is concerning. information on the Bengaluru Metro in English and Kannada was also not well-received. People from all states in Bengaluru reside in Bengaluru, and a significant number of them understand Hindi or Hindustani. Therefore, providing information only in English and Kannada could cause inconvenience to those from other states, especially the working class. When Hindi has been granted official language status in the Constitution, why is the Karnataka government adopting such a policy? Our cities like Delhi, Bengaluru, Ahmedabad, Chennai, and Pune are known for their cosmopolitan culture. Citizens from across the country live and work here with complete freedom. When the country is facing external and internal challenges, we must be especially vigilant when formulating policies. No action should be taken under political expediency.

मुरादाबाद में नारी स्वावलंबन की नई गाथा: 14,118 समूहों से जुड़कर 1,53,609 परिवार आत्मनिर्भर, 43,348 महिलाएं बनीं लखपति दीदी







ज़ योगी सरकार के विजन से ग्रामीण उद्यमिता को मिली रफ्तार्ू समूहों को 104 करोड़ 29 लाख 31 हजार रुपये की सीधी निधि और 44 करोड़ 26 लाख रुपये का बैंक ऋण वितरित गांवों में ही मिल रहीं बैंकिंग व जनसुविधाएंू 469 बीसी सखियां चला रहीं मिनी बैंक, 42 उचित दर की दुकानों और 19 प्रेरणा कैंटीन की कमान भी समूह की महिलाओं के हाथ ग्राम पंचायतों से लेकर बैंक शाखाओं तक प्रशिक्षित सखियों ने संभाला मोर्चाू कृषि, पशुपालन, स्वास्थ्य और बिजली बिल जमा करने तक की सेवाएं दे रहीं आत्मनिर्भर महिलाएं मुरादाबाद। योगी सरकार के महिला सशक्तीकरण और ग्राम्य स्वावलंबन के संकल्प ने मुरादाबाद जनपद में ग्रामीण महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक तस्वीर बदल दी है। दीनदयाल अंत्योदय योजना-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (डे-एनआरएलएम) के अंतर्गत जनपद में योजना के आरम्भ से अब तक 14 हजार 118 स्वयं सहायता समूहों का गठन कर 1,53,609 परिवारों को आच्छादित किया जा चुका है। शासन की मंशानुरूप महिलाओं को स्वरोजगार और समूह संचालन से जोड़ने के लिए स्टार्टअप फंड, रिवाल्विंग फंड व सामुदायिक निवेश निधि के रूप में कुल 104 करोड़ 29 लाख 31 हजार रुपये की धनराशि से लाभान्वित किया गया है, जबकि बैंकों से कैश क्रेडिट लिमिट (सीसीएल) के तहत 61 करोड़ 39 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत कर 44 करोड़ 26 लाख रुपये सीधे समूहों के खातों में वितरित किए जा चुके हैं। इस प्रकार निधि और वितरित बैंक ऋण को मिलाकर कुल 148 करोड़ 55 लाख 31 हजार रुपये की धनराशि समूहों तक पहुंच चुकी है, जिसके बल पर आज ग्रामीण महिलाएं राशन की दुकानों से लेकर मिनी बैंक और प्रेरणा कैंटीन तक का सफल संचालन कर रही हैं। लखपति दीदी अभियान से बदली ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक तस्वीर-योगी सरकार की महत्वाकांक्षी लखपति दीदी पहल ने मुरादाबाद की ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई पहचान दी है। जनपद में इस अभियान के अंतर्गत चरणबद्ध तरीके से 61,838 संभावित लखपति दीदियों का चिन्हांकन किया गया, जिसके पश्चात 56,367 लखपति दीदियों का डिजिटल आजीविका रजिस्टर भरा गया। इस व्यापक कवायद के परिणामस्वरूप जनपद में 43,348 दीदियों की वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक पाई गई है, जो आज अपने परिवारों की आर्थिक उन्नति का आधार बन चुकी हैं। दोगुना हुआ रिवाल्विंग फंड और डेढ़ लाख पहुंचा सीआईएफ, स्टार्टअप से मिली शुरुआती मजबूती-समूहों को शुरुआती संसाधनों से लैस करने के लिए मिशन के अंतर्गत 6,386 समूहों को 2,500 रुपये प्रति समूह की दर से कुल 1 करोड़ 59 लाख 65 हजार रुपये की स्टार्टअप फंड धनराशि से लाभान्वित किया गया है, जिससे समूह के बुक्स ऑफ रिकॉर्ड, दरी, चादर एवं संदूक इत्यादि क्रय किए जाते हैं। समूहों में आंतरिक लेनदेन और सुचारू संचालन के लिए 8,435 समूहों को 14 करोड़ 1 लाख 81 हजार रुपये के रिवाल्विंग फंड (आरएफ) से लाभान्वित किया गया है; वर्तमान में सरकार ने यह धनराशि 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 30 हजार रुपये कर दी है। इसी प्रकार समूहों को रोजगार शुरू करने के लिए 7 हजार 168 समूहों को कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड (सीआईएफ) के रूप में 88 करोड़ 67 लाख 85 हजार रुपये की धनराशि दी गई है, जिसे वर्तमान में 1 लाख 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 1 लाख 50 हजार रुपये कर दिया गया है। 7 प्रतिशत ब्याज पर 61.39 करोड़ का सीसीएल ऋण स्वीकृत, बैंक सखियां सुगम बना रहीं राह-समूह अथवा समूह की सदस्य महिलाएं अपना स्वयं का रोजगार शुरू कर सकें, इसके लिए बैंकों के माध्यम से मात्र 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर कैश क्रेडिट लिमिट (सीसीएल) के तहत ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। मिशन के अंतर्गत जनपद में अब तक 4 हजार 426 समूहों को 61 करोड़ 39 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत करते हुए 44 करोड़ 26 लाख रुपये की धनराशि समूहों के खातों में वितरित की जा चुकी है। बैंकिंग कार्यों में महिलाओं की सहायता के लिए मिशन के तहत 81 बैंक सखियों का चयन कर प्रशिक्षण के उपरांत बैंक शाखाओं में पदस्थापना (तैनाती) कराई जा चुकी है, जिनके द्वारा बैंक में समूहों के खाते खुलवाने तथा सीसीएल करवाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।ग्राम संगठन और संकुल स्तरीय संघ से गांव से विकास खंड तक मजबूत हुआ ढांचा-स्वयं सहायता समूहों को सही दिशा प्रदान करने के लिए जनपद में योजना आरम्भ से अब तक 558 ग्राम संगठनों (वीओ) का गठन किया जा चुका है। इसके साथ ही ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जनपद में 32 संकुल स्तरीय संघ (सीएलएफ) गठित किए गए हैं। यह स्वयं सहायता समूहों का एक ऐसा संघ है जो गांव के समूहों को कवर करता है और आमतौर पर विकास खंड के लगभग एक चौथाई हिस्से को आच्छादित कर महिलाओं को स्वावलंबी बनाने का कार्य करता है। वहीं, ग्राम पंचायत स्तर पर समूहों को संचालित करने में 714 समूह सखियां विशेष योगदान दे रही हैं, जिन्हें इस कार्य के लिए मानदेय प्रदान किया जाता हैंक तक संभाल रहीं कमान-शासन और प्रशासन के प्रोत्साहन से स्वयं सहायता समूह की महिलाएं व्यावसायिक व जनसेवा के कार्यों में भी आगे बढ़ रही हैं। जनपद में जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी की प्रेरणा से 19 प्रेरणा कैंटीन का संचालन किया जा रहा है, जबकि 42 रिक्त उचित दर की दुकानें (पीडीएस शॉप) स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित की जा रही हैं। ग्रामीण स्तर पर बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने के लिए चयनित 536 बीसी सखियों में से 469 बीसी सखियां ग्राम पंचायतों में कार्यरत हैं, जो पंचायत स्तर पर मिनी बैंक स्थापित कर ग्रामीणों को लेनदेन की सुविधा प्रदान कर रही हैं। इसी तरह जनपद में 266 विद्युत सखियां चयनित की गई हैं, जिनमें से 161 विद्युत सखियां सक्रिय रूप से कार्यरत रहकर ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों के बिजली बिल निकालने व जमा करने की सुविधा दे रही हैं और उन्हें प्रति बिल कमीशन मिल रहा है।कृषि, पशुपालन और ग्रामीण स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैला रहीं सखियां-आजीविका मिशन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानी जाने वाली खेती-किसानी और स्वास्थ्य जागरूकता में भी समूह की महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। मिशन के अंतर्गत जनपद में 430 कृषि सखियों द्वारा ग्राम पंचायतों में कृषि एवं पशुपालन के संबंध में समस्त प्रकार की जानकारी देकर समूह सदस्यों को जागरूक किया जा रहा है। वहीं, ग्रामीण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए 316 स्वास्थ्य सखियों को एफएनएचडब्ल्यू विषय पर प्रशिक्षित कर ग्राम पंचायतों में कार्य कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन और शासन की प्राथमिकता के तहत उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन मुरादाबाद की ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा आर्थिक बदलाव ला रहा है। जनपद में 14,118 समूहों से जुड़े 1,53,609 परिवारों को सरकारी निधियों और सुगम बैंक ऋण से जोड़कर स्वरोजगार के प्रति सशक्त किया गया है। आज 43,348 लखपति दीदियां और विभिन्न कैडर की सखियां आत्मनिर्भरता की मिसाल बन रही हैं। - आरपी भगत, उपायुक्त स्वत: रोजगार, डे-एनआरएलएम, मुरादाबाद

सी.एल. गुप्ता स्कूल में आयोजित हुई अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल, विद्यार्थियों ने सीखा आपात स्थिति में सुरक्षित बचाव का तरीका






विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ को आग जैसी आकस्मिक आपदा की स्थिति में सुरक्षित बचाव, त्वरित प्रतिक्रिया एवं अग्निशमन उपायों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सी.एल. गुप्ता स्कूल में अग्नि सुरक्षा एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने संबंधी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, आपदा विशेषज्ञ सहित संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंधन की मौजूदगी में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की व्यावहारिक रूप से परख की गई।

मॉक ड्रिल के दौरान विद्यालय परिसर में आग लगने की काल्पनिक स्थिति उत्पन्न कर विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों की आपातकालीन प्रतिक्रिया, सुरक्षित निकासी, बचाव कार्य तथा अग्निशमन व्यवस्थाओं का परीक्षण किया गया। सूचना प्राप्त होते ही अग्निशमन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर नियंत्रण एवं बचाव कार्य का अभ्यास कराया। इस दौरान अग्निशामक यंत्रों के संचालन की प्रक्रिया को भी व्यावहारिक रूप से प्रदर्शित किया गया। अग्निशमन विभाग एवं आपदा प्रबंधन टीम द्वारा विद्यार्थियों और कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय शांत रहते हुए त्वरित एवं सुरक्षित निर्णय लेने, अग्निशामक यंत्रों के सही उपयोग तथा आपातकालीन निकासी के निर्धारित मार्गों का प्रयोग करने की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि आग लगने की स्थिति में लिफ्ट का प्रयोग न करें तथा सुरक्षित निकासी के लिए सीढ़ियों का ही उपयोग करें।

मॉक ड्रिल के दौरान विद्यार्थियों ने सीढ़ियों के माध्यम से सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से विद्यालय भवन से बाहर निकलने का अभ्यास किया। साथ ही, धुएं से बचाव के लिए रुमाल अथवा नैपकिन से नाक एवं मुंह ढककर सुरक्षित स्थान की ओर तेजी से निकलने का भी अभ्यास कराया गया। विद्युत व्यवस्था को सुरक्षित रूप से बंद करने, फायर टेंडर के सायरन एवं अग्निशमन दल की कार्यप्रणाली सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा उपायों के बारे में भी विद्यार्थियों को जानकारी दी गई।

संक्षिप्त समाचार

राज्य महिला आयोग की मा0 सदस्य 20 नवम्बर को मुरादाबाद में

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा0 सदस्य श्रीमती संगीता जैन द्वारा जनपद मुरादाबाद में महिलाओं के उत्पीड़न एवं महिला संबंधी नवीन घटनाओं का संज्ञान लेते हुए महिला जनसुनवाई कार्यक्रम तथा महिलाओं से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से जागरूकता चौपाल का आयोजन किया जाएगा।इस क्रम में दिनांक 20 नवम्बर 2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे सर्किट हाउस में महिला जनसुनवाई एवं जागरूकता चैपाल आयोजित की जाएगी। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने जनपद की समस्त महिलाओं से अपील की है कि वे कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं एवं शिकायतों का निस्तारण करा सकती हैं। साथ ही जागरूकता चौपाल एवं स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं एवं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

किसान दिवस में किसानों की समस्याओं को जिलाधिकारी ने गंभीरता से सुना, अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

गन्ना मूल्य भुगतान, फसल क्षति मुआवजा, विद्युत एवं धान क्रय केंद्र सहित विभिन्न समस्याओं पर हुई चर्चा जिलाधिकारी श्री अनुनय झा एवं विधायक कुन्दरकी श्री रामवीर सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने गत किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की विभागवार समीक्षा की तथा लंबित शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए उनका शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। किसान दिवस में किसानों ने गन्ना मूल्य बढ़ाने, सर्किल रेट में वृद्धि, फसल क्षति मुआवजा, विद्युत संबंधी समस्याओं, मनकुआ मकसूदपुर में धान क्रय केंद्र बंद होने, चीनी मिलों द्वारा गन्ने की मैली (जैविक खाद) उपलब्ध न कराने, किसानों के विद्युत बकाया पर घरेलू कनेक्शन काटने, अगवानपुर ओवरब्रिज एवं रामगंगा पुल पर प्रकाश व्यवस्था तथा किसानों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने सहित विभिन्न समस्याएं उठाईं। जिलाधिकारी ने किसानों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए उनके हर संभव निराकरण का आश्वासन दिया। फसल क्षति मुआवजे के संबंध में इफको टोकियो के प्रबंधक को निर्देशित किया कि जनपद में किसानों की फसल क्षति का सही आंकलन कर निर्धारित समयावधि में मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि फसल क्षति मुआवजे का कोई भी प्रकरण किसी भी स्तर पर लंबित नहीं रहना चाहिए। गन्ना मूल्य भुगतान के संबंध में उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों को गन्ने का प्रति कुंतल मूल्य देश में सर्वाधिक मिले, इसके लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। मनकुआ मकसूदपुर में धान क्रय केंद्र बंद होने की शिकायत पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को क्रय केंद्र शीघ्र खुलवाने के निर्देश दिए। साथ ही जनपद की समस्त चीनी मिलों के प्रबंधकों को किसानों को गन्ने की मैली (जैविक खाद) नि:शुल्क उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। किसानों के आयुष्मान कार्ड बनवाने के संबंध में भी जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया।अगवानपुर ओवरब्रिज एवं रामगंगा पुल की मरम्मत और प्रकाश व्यवस्था के संबंध में जिलाधिकारी ने बताया कि ओवरब्रिज पर मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है तथा प्रकाश व्यवस्था भी शीघ्र सुनिश्चित कराई जाएगी। विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि किसानों के घरेलू विद्युत कनेक्शन केवल विद्युत बिल का बकाया होने के आधार पर न काटे जाएं। किसान दिवस में एक कृषक द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के अंतर्गत बैंकर्स द्वारा ऋण आवेदन को लंबित रखने की शिकायत की गई। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित आवेदन प्राप्त कर प्रकरण का एक सप्ताह के भीतर निस्तारण कराने का आश्वासन दिया। 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले स्थानीय निवासियों को नियमानुसार टोल टैक्स से छूट का लाभ सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। किसान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह, उप निदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी, उपजिलाधिकारी सदर, जिला गन्ना अधिकारी सहित विद्युत, जल निगम, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई, खाद्य सुरक्षा, इफको टोकियो, खाद्य विपणन, एआर कोऑपरेटिव, एनएचएआई, चकबंदी विभाग के अधिकारी, जनपद की समस्त चीनी मिलों के प्रबंधक तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जांच रिपोर्ट में खेल करने वालों पर कसेगा शिकंजा, लैब और डॉक्टर रडार पर

सीएमओ ने बनाई दो सदस्यीय जांच कमेटी, 30 दिन में देनी होगी रिपोर्ट

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(ब्यूरो) निजी पैथोलॉजी लैब और चिकित्सकों की कथित मिलीभगत से जांच रिपोर्टों में हेराफेरी कर मरीजों के शोषण के मामलों पर स्वास्थ्य विभाग सख्त हो गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने जांच और कार्रवाई के लिए दो सदस्यीय कमेटी गठित की है।

कमेटी में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. लईक अहमद अंसारी और जिला संयुक्त चिकित्सालय के पैथोलॉजिस्ट डॉ. अमित कुमार दिनकर को शामिल किया गया है। टीम विशेष अभियान चलाकर जांच करेगी और 30 दिन के भीतर रिपोर्ट सीएमओ कार्यालय को सौंपेगी। इसके बाद प्रत्येक माह की पांच तारीख तक अनुपालन रिपोर्ट भी देनी होगी। जांच में दोषी पाए जाने वाले लैब संचालकों, चिकित्सकों और कलेक्शन एजेंटों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में मां-बेटे घायल, जिला अस्पताल में कराया भर्ती

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(ब्यूरो) बरेली। थाना सुभाषनगर क्षेत्र की तिलक कॉलोनी निवासी मां-बेटे सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेटे को छुट्टी दे दी गई, जबकि मां की हालत को देखते हुए परिजन उन्हें निजी अस्पताल ले गए।

जानकारी के अनुसार, लोकेश प्रजापति पुत्र ओमप्रकाश प्रजापति गुरुवार सुबह अपनी मां पुष्पा देवी के साथ मोटरसाइकिल से रामपुर स्थित अपनी बहन के घर जा रहे थे। रास्ते में फतेहगंज पश्चिमी पार करने के बाद भांगड़ा नदी के पास अचानक उनकी मोटरसाइकिल फिसलकर गिर गई। हादसे में लोकेश और उनकी मां पुष्पा देवी घायल हो गईं। राहगीरों की मदद से दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। पुष्पा देवी को अधिक चोटें आने के कारण परिजन उन्हें बेहतर उपचार के लिए निजी अस्पताल ले गए, जबकि लोकेश को मामूली चोटें आई थीं। उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया

दिव्यांगजनों को नि:शुल्क लगेंगे कृत्रिम हाथ, रोटरी क्लब का दो दिवसीय शिविर 20 से

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली (ब्यूरो)। रोटरी क्लब बरेली साउथ की ओर से इनाली फाउंडेशन एवं रोटरी क्लब पुणे डाउनटाउन के सहयोग से 20 और 21 नवंबर को दिव्यांगजनों के लिए नि:शुल्क कृत्रिम हाथ प्रत्यारोपण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, दिल्ली और पंजाब समेत विभिन्न राज्यों से करीब 130 दिव्यांगजनों का पंजीकरण हो चुका है। सभी लाभार्थियों को 20 नवंबर को सुबह नौ बजे शिविर में पहुंचने के लिए आमंत्रित किया गया है।

क्लब अध्यक्ष रोहित जिंदल ने बताया कि शिविर का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना और उनके जीवन में नई आशा एवं आत्मविश्वास जगाना है। पीडीजी डॉ. आईएस तोमर ने कहा कि रोटरी क्लब पहले से ही बरेली में कृत्रिम पैर उपलब्ध कराने की सुविधा संचालित कर रहा है। अब कृत्रिम हाथ की सुविधा शुरू होने से जरूरतमंदों को एक ही केंद्र पर दोनों सुविधाएं मिल सकेंगी।

पीडीजी रवि प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि शिविर में बैटरी संचालित कृत्रिम हाथ भी नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे दिव्यांगजन दैनिक कार्य अधिक आसानी से कर सकेंगे। रोटरी क्लब पुणे डाउनटाउन के प्रदीप मुनूथ ने बरेली साउथ के साथ इस सेवा कार्य में जुड़ने पर खुशी जताई। वहीं, इनाली फाउंडेशन के सदस्यों ने बताया कि संस्था देशभर में ऐसे शिविर आयोजित करती है। बरेली में यह उनका पहला शिविर है।

कार्यक्रम में डॉ. रवि मेहरा, शिशिर पांडे, राकेश धीरवानी, अनुपम कपूर, दिनेश खंडेलवाल, संजय अग्रवाल, संजय गर्ग और संदीप मेहरा सहित अनेक रोटेरियन मौजूद रहे।

वोट को जानो थीम पर KCMT में युवा संवाद , सांसद और विधायक से युवाओं ने पूछे सीधे सवाल

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(ब्यूरो) युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में 'मेरा युवा भारत' (MY Bharat) द्वारा खंडेलवाल कॉलेज (KCMT) में 'विकसित भारत युवा संवाद @2047' का आयोजन किया गया। "Know Your Vote - वोट को जानो थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में युवाओं को मतदान के महत्व और लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

मुख्य अतिथि सांसद छत्रपाल गंगवार व विशिष्ट अतिथि मीरगंज विधायक डॉ. डी.सी. वर्मा ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर MY Bharat की उपनिदेशक पुष्पा सिंह ने संगठन के उद्देश्यों की जानकारी दी, जबकि यूथ आइकॉन श्री धीरेंद्र ने एसआईआर की प्रक्रिया समझाई। सांसद गंगवार और विधायक डॉ. वर्मा ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'मेरा वोट-मेरा अधिकार' विषयक सीधा संवाद सत्र रहा, जिसमें मेघा, पुष्पा आर्या, शाहनूर खान, सूर्यांश, साक्षी बत्रा, अमित व हेमेंद्र सहित कई विद्यार्थियों ने जनप्रतिनिधियों से बेबाक प्रश्न पूछे।यूथ लीडर इनाम खान के संचालन में हुए इस आयोजन का समापन लोकतांत्रिक शपथ और राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम में एमडी डॉ. विनय खंडेलवाल, महानिदेशक डॉ. अमरेश कुमार, प्राचार्य डॉ. आर.के. सिंह सहित डॉ. कल्पना कटियार, डॉ. शिव स्वरूप, डॉ. सविता सक्सेना, लेफ्टिनेंट रचना, रितेश तथा एनएसएस, एनसीसी और माई भारत के स्वयंसेवकों का विशेष सहयोग रहा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से 12 साल के मासूम की मौत, चाचा की हालत नाजुक

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली (ब्यूरो)। थाना शेरगढ़ क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार 12 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, जबकि उसका चाचा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने किशोर के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के अनुसार, शेरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव नगरीय कला निवासी छत्रपाल का 12 वर्षीय पुत्र अंश पाल अपने चाचा सुरेंद्र पाल के साथ मोटरसाइकिल से कस्बा शेरगढ़ गया था। शाम को दोनों मोटरसाइकिल से वापस घर लौट रहे थे। रास्ते में एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अंश पाल और उसके चाचा सुरेंद्र पाल गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को उपचार के लिए शेरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया। अंश पाल की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल बरेली रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद अंश पाल को मृत घोषित कर दिया।

12 वर्षीय अंश की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, हादसे में घायल सुरेंद्र पाल का उपचार कराया जा रहा है।

सिद्धि योग में आज मनाई जाएगी देवउठनी एकादशी, अबूझ मुहूर्त में होंगे सैकड़ों विवाह

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली (ब्यूरो)। पंच दीपोत्सव के बाद सहालग की बहार छाने वाली है। 20 नवंबर को देवोत्थान एकादशी से विवाह समारोहों का सिलसिला शुरू हो जाएगा। इस दिन तुलसी-शालिग्राम विवाह के अवसर पर शहर में 600 से अधिक शादियां होने का अनुमान है। ज्यादातर होटल और बैंक्वेट हॉल पहले से ही बुक हो चुके हैं। सहालग में मेहमानों की बढ़ती संख्या के साथ शादी समारोहों पर खर्च का ग्राफ भी बढ़ा है। लोग अपनी शादियों को खास बनाने के लिए कैटरिंग और सजावट पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

बरेली होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग सक्सेना के अनुसार, अकेले देवोत्थान एकादशी पर ही 30 से 40 करोड़ रुपये के कारोबार का ड्ड4 अनुमान है। होटल और बैंक्वेट हॉल एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि इस बार शादियों के सीजन को लेकर पहले से ही अच्छी बुकिंग हो चुकी है।

सिद्धि योग में मनाई जाएगी देवउठनी एकादशी- कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी पर देवउठनी एकादशी (हरि प्रबोधिनी एकादशी) इस बार सिद्धि योग में मनाई जाएगी। आचार्य राजेश कुमार शर्मा के अनुसार, मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु चार माह की योगनिद्रा से जागते हैं। इसके साथ ही चातुर्मास का समापन होता है और सभी प्रकार के शुभ कार्य दोबारा शुरू हो जाते हैं।

इस वर्ष एकादशी तिथि दो दिन पड़ने के कारण श्रद्धालुओं में असमंजस की स्थिति है। आचार्य के अनुसार, पंचांग के मुताबिक कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 20 नवंबर की सुबह 7:17 बजे से शुरू होकर 21 नवंबर की सुबह 6:33 बजे तक रहेगी। गृहस्थ जीवन का पालन करने वाले लोगों को 20 नवंबर को ही देवउठनी एकादशी का व्रत रखना चाहिए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

28 नवंबर को लगेगी विशेष लोक अदालत, ऑनलाइन भी निपटा सकेंगे लंबित चालान

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली (ब्यूरो)। लंबित यातायात चालानों के निस्तारण के लिए आमजन को बड़ी राहत मिलने जा रही है। माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश तथा जनपद न्यायाधीश प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आगामी 28 नवंबर 2026 को जनपद न्यायालय बरेली में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

इस विशेष लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य मोटर वाहन अधिनियम के तहत न्यायालयों में लंबित यातायात चालानों का पेमेंट सेतु (Payment Setu) के माध्यम से ऑनलाइन निस्तारण सुनिश्चित करना है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव जया प्रियदर्शिनी ने समस्त वाहन स्वामियों और आमजन से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने लंबित चालानों का निस्तारण कराएं। इसके अतिरिक्त, आमजन घर बैठे पेमेंट सेतु के जरिए भी अपने लंबित ई-चालान का भुगतान कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय में जीएसटी 2.0 पर दो दिन मंथन होगा

बरेली (ब्यूरो)। एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय में 20 और 21 नवंबर को जीएसटी 2.0 पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार होगा। इसमें प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. सोमेंद्र तोमर मुख्य अतिथि होंगे। देश के दस राज्यों से प्रोफेसर, शोधार्थी, जीएसटी विशेषज्ञ, सीए, कमिश्नर और उद्योगपति इसमें शामिल होंगे। मैनेजमेंट फैकल्टी के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग की ओर से आईसीएसएसआर, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित इस सेमिनार में डिजिटल टैक्स व्यवस्था, जीएसटी सुधार, उद्योगों पर प्रभाव और टैक्स प्रणाली में एआई की भूमिका पर चर्चा होगी। कुलपति प्रो. अनिल कुमार राय कार्यक्रम के संरक्षक हैं। संयोजक प्रो. त्रिलोचन शर्मा, सह-संयोजक डॉ. सौरभ वर्मा और आयोजन सचिव डॉ. रोमिता खुराना हैं।

वोट बचाओ अभियान को लेकर बरेली में कांग्रेस की कार्यशाला; कुणाल चौधरी

बरेली (ब्यूरो)। जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आज वोट चोर गद्दी छोड़, वोट बचाओ अभियान के तहत एक कार्यशाला और चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्रज प्रांत के शहर प्रभारी कुणाल चौधरी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक तरुण त्यागी शामिल हुए, जबकि अध्यक्षता महानगर कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश दद्दा ने की। कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुणाल चौधरी ने कहा कि यह लड़ाई केवल वोट बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गरीबों, किसानों, महिलाओं, छात्रों और युवाओं के रोजगार व भविष्य को बचाने की लड़ाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की नीतियों से समाज का हर वर्ग प्रभावित हो रहा है और कार्यकर्ताओं को संविधान व लोकतंत्र की रक्षा के लिए जनता के बीच जाकर संघर्ष करना होगा।वहीं, एआईसीसी पर्यवेक्षक तरुण त्यागी ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष असफाक सकलानी ने कहा कि ब्लॉक से लेकर न्याय पंचायत स्तर तक कार्यकर्ता पूरी लगन से जुटे हैं। महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा ने देश की एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में कांग्रेस के योगदान को रेखांकित किया। कार्यक्रम के बाद कुणाल चौधरी ने वीर सावरकर नगर स्थित कैंप कार्यालय का उद्घाटन भी किया। इस मौके पर प्रवक्ता पंडित राज शर्मा, प्रेम प्रकाश अग्रवाल, अजय शुक्ला, युवा प्रदेश अध्यक्ष पारस शुक्ला, कृष्णकांत शर्मा, देवेंद्र श्रीवास्तव, रमेश श्रीवास्तव, तबस्सुम, योगेश जौहरी, यूसुफ जारीवाले, राजा राम साहू, आदर्श गुप्ता और ताराचंद चौधरी सहित कई कांग्रेसजन मौजूद रहे।



20 नवम्बर से शुरू होंगे ईवीएम डेमोंस्ट्रेशन सेंटर

@ क्यूँ न लिखूँ सच

जनपद में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत 20 नवम्बर 2026 से सभी तहसील मुख्यालयों पर ईवीएम डेमोंस्ट्रेशन सेंटर (ईडीसी) स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों पर मतदाताओं को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एवं वीवीपैट की कार्यप्रणाली का व्यावहारिक प्रदर्शन कर मतदान प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। यह अभियान विधानसभा सामान्य निर्वाचन की अधिसूचना जारी होने तक संचालित रहेगा।जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश राय ने ईवीएम एवं वीवीपैट के प्रदर्शन, प्रशिक्षण तथा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। इसके तहत जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय तथा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में रिटर्निंग ऑफिसर के मुख्यालय अथवा तहसील मुख्यालय पर डेमोंस्ट्रेशन सेंटर स्थापित किए जाएंगे।इन केंद्रों पर मतदाताओं को बैलेट यूनिट (बीयू), कंट्रोल यूनिट (सीयू) एवं वीवीपैट की कार्यप्रणाली समझाई जाएगी। साथ ही ईवीएम के माध्यम से मतदान करने की पूरी प्रक्रिया का प्रदर्शन किया जाएगा।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

पत्रांक: 794 / न0पा0परि0बि0 / 2026-27 **दिनांक:**- 27/10/26

नोटिस ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोहल्ला बाजार पूर्वी, वार्ड संख्या-25, तहसील बिलारी स्थित भवन संख्या-23, 24, 25 एवं 26/1, जो गृहकर अभिलेखों में श्री खुशहाली, श्री उदयपाल सिंह व करन सिंह पुत्रगण श्री पूरन सिंह तथा श्री अजय पुत्र स्वर्गीय श्री रमेश एवं श्रीमती शारदा देवी पत्नी श्री रमेश, निवासीगण मोहल्ला बाजार, कस्बा व तहसील बिलारी, जिला मुरादाबाद के नाम दर्ज हैं।उक्त भवन के संबंध में श्रीमती जीवनदेई पत्नी श्री यशपाल, निवासी मोहल्ला बाजार, कस्बा व तहसील बिलारी, जनपद मुरादाबाद द्वारा भवन के कुल रकबे में से 98.733 वर्गमीटर भाग पर गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में दिनांक 01/10/2026 को प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसके साक्ष्य के रूप में उनके द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ विक्रय-पत्र (बैनामा) की छायाप्रति संलग्न कर प्रस्तुत की गई है।

क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	23, 24, 25, 26/1	बाजार	श्री खुशहाली, श्री उदयपाल सिंह व करन सिंह पुत्रगण श्री पूरन सिंह तथा श्री अजय पुत्र स्वर्गीय श्री रमेश एवं श्रीमती शारदा देवी पत्नी श्री रमेश	श्रीमती जीवनदेई पत्नी श्री यशपाल

उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस के समाचार पत्र में प्रकाशन के 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में साक्ष्यों सहित इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समय-सीमा तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक का नाम गृहकर अभिलेखों में दर्ज कर दिया जाएगा। नाम दर्ज करने के उपरांत किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

राजस्व निरीक्षक
नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

बैंकों में कार्यरत सभी प्रॉपर्टी एवं गोल्ड लोन वैल्यूअर्स का कराया जाए पुलिस सत्यापन: कलेक्टर



@ क्यूँ न लिखूँ सच

विदिशा(हाकम सिंह रघुवंशी) कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कलेक्ट्रेट स्थित बेतवा सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी) की बैठक में विभिन्न बैंकिंग योजनाओं की प्रगति एवं वित्तीय लक्ष्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों और बैंकर्स को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी बैंकों में कार्यरत प्रॉपर्टी वैल्यूअर एवं गोल्ड लोन वैल्यूअर्स का अनिवार्य रूप से पुलिस सत्यापन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन बैंकों द्वारा अभी तक वैल्यूअर्स का पुलिस वेरिफिकेशन नहीं कराया गया है, वे इसे प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करें तथा जिले के सभी बैंकों में कार्यरत वैल्यूअर्स की सूची उपलब्ध कराएं। उन्होंने बैंकर्स को निर्देशित किया कि किसी भी खाताधारक के साथ किसी प्रकार की वित्तीय धोखाधड़ी या स्कैम की स्थिति उत्पन्न न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न स्वरोजगार एवं वित्तीय समावेशन योजनाओं के अंतर्गत पात्र नागरिकों को समयबद्ध तरीके से ऋण उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे अपना रोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई), प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना एवं पीएम स्वनिधि योजना के मामलों में हितग्राहियों को अनावश्यक रूप से बैंकों के चक्कर न लगाने देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैंक एक ही बार में आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देकर पात्रता अनुसार ऋण स्वीकृत एवं वितरित करें। पीएम स्वनिधि योजना की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि यह भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जो छोटे व्यवसायियों को अपना कारोबार बढ़ाने में मदद करती है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को 15 हजार, 25 हजार तथा 50 हजार रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश देते हुए कहा कि भुगतान संबंधी सभी लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

पीएम विश्वकर्मा सहित सहरिया परिवारों को प्राथमिकता से लाभ देने पर बल - कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने बैठक में पीएम विश्वकर्मा योजना की भी विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। साथ ही उन्होंने निरस्त किए गए प्रकरणों की पुन: समीक्षा करने तथा जांच में पात्र पाए जाने वाले आवेदकों को योजना का लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने बकरी इकाई 10 प्लस 1 योजना एवं मुर्गी पालन से संबंधित योजनाओं की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सहरिया जनजातीय समुदाय के पात्र परिवारों को प्राथमिकता के साथ लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस समुदाय की पारंपरिक आजीविका से जुड़ी इन योजनाओं के माध्यम से उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाया जा सकता है।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना, पशुपालन क्रेडिट कार्ड योजना, मछुआ किसान क्रेडिट कार्ड योजना, पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की अन्य योजनाओं तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) एवं अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के सभी पात्र नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़कर अधिकतम लाभ पहुंचाया जाए।

स्वरोजगार योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश - कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों के भ्रमण के दौरान नागरिकों, विशेषकर युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सक्रिय रूप से प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिले में संचालित केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक प्रभावी रूप से पहुंचाई जाए, ताकि जानकारी के अभाव में कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रहे। अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण के दौरान युवाओं को स्वरोजगार के अवसरों, ऋण सहायता, कौशल विकास कार्यक्रमों एवं विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करें।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सुरभि तिवारी, लीड बैंक अधिकारी श्री बी.एस. बघेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बैंकर्स उपस्थित रहे।

शिवपुरी में 26 नवंबर को लगेगा जिला स्तरीय रोजगार मेला, 10वीं से आईटीआई पास युवाओं को मिलेगा मौका

@ क्यूँ न लिखूँ सच

शिवपुरी । जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 26 नवंबर 2026 को जिला रोजगार कार्यालय परिसर शिवपुरी में जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित यह मेला सुबह 11 बजे से शुरू होगा। इसमें विभिन्न निजी कंपनियां साक्षात्कार के माध्यम से युवाओं का चयन करेंगी।सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, उच्च शिक्षा विभाग तथा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के समन्वय से आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं को रोजगार के साथ स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। साथ ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत हितलाभ वितरण किया जाएगा।जिला रोजगार अधिकारी के अनुसार मेले में कुलकवच ग्लोबल सिक्योरिटी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड ग्वालियर, फोन पे प्राइवेट लिमिटेड शिवपुरी, जीडीएक्स सिक्योरिटी सॉल्यूशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नोएडा, ग्रो फास्ट ऑर्गेनिक डायमंड प्राइवेट लिमिटेड भोपाल, एमआरएफ प्राइवेट लिमिटेड और ब्लिंकिट प्राइवेट लिमिटेड अहमदाबाद सहित कई कंपनियां शामिल होंगी।10वीं, 12वीं, स्नातक और आईटीआई पास युवाओं को मौका- रोजगार मेले में 10वीं, 12वीं, स्नातक एवं आईटीआई उत्तीर्ण युवा भाग ले सकते हैं। आवेदकों की आयु 18 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। इच्छुक युवाओं को निर्धारित लिंक के माध्यम से आवेदन करना होगा।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि युवा संगम कार्यक्रम और रोजगार मेला पूरी तरह नि:शुल्क है। चयन के बाद किसी का शुल्क नहीं देना है। युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने की अपील की गई है।

पहलवान सिंह की पुण्यतिथि पर हुई गोष्ठी



@ क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद । ऑल इन्डिया लॉयर्स यूनियन मुरादबाद के तत्वाधान में दि बार एसोसिएशन एवं लाइब्रेरी मुरादाबाद के चार बार अध्यक्ष रहे पहलवान सिंह विश्नोई की बारहवीं पुण्य तिथि पर गोष्ठी का आयोजन आई0 एम0 ए0 हाल में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्षता विक्रम सिंह एडवोकेट एवं संचालन संयुक्त सचिव सचिन प्रेमी एडवोकेट ने किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ स्व0 पहलवान सिंह विश्नोई एडवोकेट के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि से हुआ उनका जीवन परिचय संजीव राघव एडवोकेट ने बताया। किस तरह विषम परिस्थितियो में से निकल कर वकालत के आचरणो को छूते हुए समाज के शोषित वंचित तबको की आवाज वनकर उभरे। उनका निधन विधि व्यवसाय के साथ साथ दलित के शोषित वंचित तबको की आवाज की अपूर्णीय क्षति है। मुख्य अतिथि सचिन माहेश्वरी कुलपति गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय ने कहा ऑल इन्डिया लॉयर्स यूनियन जिला मुरादबाद प्रतिभाशील स्व0 पहलवान सिंह की यादो को संजोने की जो पहल की है वह सराहनीय है। उन्होने कहा कि मुझे गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय का प्रथम कुलपति बनने का गौरव मिला है मेरा प्रयास रहेगा कि मैं विश्वविद्यालय को नयी उचाईयों तक लेकर जाऊं। इस मौके पर टी0 एम0 यू0 में विधि विभाग के डीन डॉ0 हरबंश दीक्षित ने कहा ऑल इन्डिया लॉयर्स यूनियन की पहल वकीलों में पर्यावरण मूल अधिकार, संविधान व नये कानूनों की चर्चा करना साथ ही जनता के मुदों को उठाकर सरकार के सामने रखना अनूठी पहल है। सुनील विशनोई एडवोकेट ने कहा उन्होने समाज के लिए संघर्ष करना सिखाया। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आनन्द मोहन गुप्ता, जिला बार के अध्यक्ष अनिलपाल सिंह एवं ऑल इन्डिया लॉयर्स यूनियन जिला मुरादबाद के जिला सचिव सुशील विशनोई कासिम अली रिजवी अभिषेक मुनीश चन्द्र गुप्ता आदि ने अपने विचार रखे। इस मौके पर जयप्रकाश शर्मा, अमीरूल हसन जाफरी, अरशद परवेज, रेशमा बेगम, आबिद अली प्रबोध , आदित्य माथुर, अतुल , आदित्य , मयंक शर्मा, अभिनव , आवरण अग्रवाल, ओमपकाश , नीतेश, बसंत कुनाल, कनिष्क विशनोइ आदि बडी संख्या में अधिवक्ता रहे।

वीरांगना लक्ष्मीबाई की जयंती पर किया नमन, विद्यार्थियों को दी देशभक्ति की प्रेरणा



समोदिया रामपुर । विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ग्राम भारती, पिलखुवा-हापुड़ ग्रामीण शिक्षा के अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रुस्तम नगर रामपुर में महान क्रांतिकारी वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई।

वंदना सभा के पश्चात विद्यालय के वंदना स्थल पर प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा के साथ आचार्य-आचार्याओं एवं अन्य उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित किया।

इस दौरान भारत माता की जय और महारानी लक्ष्मीबाई अमर रहें के जयघोष के साथ उनके चित्र के सम्मुख पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया गया। प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने महारानी लक्ष्मीबाई के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों के विरुद्ध अदम्य साहस और वीरता के साथ युद्ध किया। ग्वालियर के फूलबाग मैदान में अपने पुत्र को पीठ पर बांधकर, घोड़े की लगाम मुंह में थामे दोनों हाथों से तलवार चलाते हुए वह अंग्रेजों से लड़ीं और मातृभूमि की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुईं। उन्होंने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई का जीवन हम सभी को देशभक्ति, साहस और आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है।

उनका उद्घोष मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी आज भी देशवासियों में राष्ट्रप्रेम का भाव जागृत करता है। खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी कविता उनकी वीरता का स्मरण कराती है। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए महारानी लक्ष्मीबाई के जीवन से संबंधित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कुमारी आकृति गंगवार, कुमारी छवि राजपूत, तनु, सोनाक्षी, गीता मौर्य, शायरी और अलवीरा सहित अन्य छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों का तालियां बजाकर उत्साहवर्धन किया गया।कार्यक्रम में वंदना प्रमुख पूजा टैगोर, उत्सव एवं जयंती प्रमुख अंजलि मौर्य, पर्यावरण प्रमुख सुनीता मौर्य, गृह विज्ञान प्रमुख विनीता, ब्रजकिशोर मौर्य, नरोत्तम सिंह मौर्य, धर्मेंद्र सिंह, संजय सिंह, विजेंद्र सिंह, प्रकाश बाबू, अनिल कुमार, सुनील कुमार, प्रेमपाल सहित विद्यालय के आचार्य-आचार्याएं उपस्थित रहे।

स्वगणना अभियान को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दिए निर्देश

बिलारी @ क्यूँ न लिखूँ सच । बाल विकास परियोजना अधिकारी निशि ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को जनगणना के प्रथम चरण के तहत 16 से 30 नवंबर तक चलाए जा रहे अभियान को लेकर विशेष निर्देश दिए हैं कि क्षेत्र में रहकर अभियान में सहयोग करें। मुख्य सेविका मोनिका सिरोही, सोनिका सिरोही, आशा, बबीता, सविता, शिव कुमारी के साथ बैठक करके स्वयं गणना की दैनिक प्रगति की रिपोर्ट ली। ब्लॉक कोऑर्डिनेटर अतुल शर्मा के अलावा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को कहा कि आधिकारिक पोर्टल पर सबसे पहले अपने परिवार की स्वयं गणना पूरी करने तथा जनरेट होने वाले 11 अंकों की यूनिक आईडी दर्ज कराए। लोगों को गांव-गांव जाकर जनगणना के प्रति जागरूक भी करें।

संक्षिप्त समाचार

डिलारी पुलिस ने वारंटी समरपाल को किया गिरफ्तार, न्यायालय में किया पेश

मुरादाबाद।जनपद मुरादाबाद के थाना डिलारी पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट (NBW) के अनुपालन में कार्रवाई करते हुए एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया। थाना डिलारी पुलिस के प्रेसनोट के अनुसार, 19 नवंबर 2026 को रपट संख्या 37, समय दोपहर 2:15 बजे पुलिस टीम ने ग्राम राजपुर केसरिया निवासी समरपाल पुत्र राम सिंह को गिरफ्तार किया। समरपाल के खिलाफ सत्र परीक्षण संख्या 1705/25 और मुकदमा अपराध संख्या 63/2021 दर्ज है। यह मामला भारतीय दंड संहिता (भादवि) की धारा 34, 307, 457, 504 और 506 से संबंधित है। पुलिस ने जारी गैर जमानती वारंट के आधार पर कार्रवाई करते हुए वारंटी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।



एफपीओ और उन्नत खेती से बदली शिक्षा जाटव की तकदीर, एक फसल चक्र में 2 लाख से अधिक की आय

शिवपुरी । जिले की बदरवास तहसील के ग्राम चंदोरिया निवासी शिक्षा जाटव ने उन्नत कृषि तकनीकों और फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (एफपीओ) से जुड़कर खेती में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। पिछले पांच वर्षों से गौतमी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी से जुड़ी शिक्षा जाटव आज क्षेत्र में कृषि सखी के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। आधुनिक कृषि तकनीकों और बेहतर फसल प्रबंधन को अपनाने से उनकी आय एक फसल चक्र में दो लाख रुपये से अधिक हो गई है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई है।शिक्षा जाटव को कृषि विभाग के मार्गदर्शन में उन्नत खेती का विधिवत प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। इस प्रशिक्षण से उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों, फसल प्रबंधन और गुणवत्तापूर्ण कृषि आदानों के उपयोग की जानकारी मिली। वहीं, एफपीओ के माध्यम से उन्हें समय पर उन्नत किस्म के बीज, खाद और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध होने लगीं। इन संसाधनों और तकनीकों का सही उपयोग करने से उनकी फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में वृद्धि हुई।शिक्षा जाटव आजीविका मिशन के स्वसहायता समूह से भी जुड़ी हुई हैं। समूह के माध्यम से उनमें जागरूकता बढ़ी और उन्होंने कृषि के क्षेत्र में भी अपनी भागीदारी मजबूत की। स्वयं उन्नत खेती से लाभान्वित होने के साथ-साथ वह कृषि सखी के रूप में अन्य किसानों को भी आधुनिक कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक कर रही हैं। शिक्षा जाटव ने अपनी सफलता का श्रेय एफपीओ के सहयोग और कृषि विभाग से मिले प्रशिक्षण को देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना के प्रति आभार व्यक्त किया है। उनकी यह सफलता ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं की कृषि भागीदारी, आत्मनिर्भरता और आधुनिक खेती की संभावनाओं का उदाहरण प्रस्तुत करती है।



करैरा पुलिस ने चार दिन में नाबालिग बालिका को किया दस्तयाब, शिवपुरी से सुरक्षित बरामद कर परिजनों को सौंपा

शिवपुरी । करैरा थाना पुलिस ने नाबालिग बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए घर से लापता हुई 16 वर्षीय बालिका को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है। पुलिस ने बालिका को 19 नवंबर को शिवपुरी से बरामद किया। ठुपुलिस के अनुसार, 13 नवंबर 2026 को 16 वर्षीय बालिका घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। परिजनों ने 15 नवंबर को थाना करैरा पहुंचकर इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की। पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर नाबालिग बालक-बालिकाओं की शीघ्र दस्तयाबी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति एवं एसडीओपी करैरा विनायक शुक्ला के मार्गदर्शन में थाना पुलिस ने बालिका की तलाश के लिए प्रयास किए। पुलिस टीम ने 19 नवंबर को बालिका को शिवपुरी से सकुशल दस्तयाब कर आवश्यक कार्रवाई के बाद परिजनों को सौंप दिया। इनकी रही सराहनीय भूमिका- इस कार्रवाई में थाना प्रभारी करैरा निरीक्षक विनोद छावई, उपनिरीक्षक संजय भगत (चौकी प्रभारी सुनारी), आरक्षक गजेंद्र रावत एवं महिला आरक्षक देवकी पाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।



रिहाई के बाद आजम खां ने तोड़ी चुप्पी, बोले- यूपी में फैलाया जा रहा नफरत का एजेंडा



रामपुर में सपा नेता आजम खां ने रिहा होने के बाद पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा, ईडी, सीबीआई और चुनाव आयोग पर निशाना साधा। आरोप लगाया कि यूपी में नफरत का एजेंडा फैलाया जा रहा है और उनके साथ अमानवीय व्यवहार हुआ। जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े मामलों पर सफाई देते हुए कहा कि उनके पास एक ही मकान है।

आगामी चुनाव जाति और धर्म के नाम पर नहीं होने की बात भी कही।जेल से रिहा होने के बाद सपा नेता आजम खां ने पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने सरकार, जांच एजेंसियों और संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाए। आजम खांने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में नफरत का एजेंडा फैलाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को अपनी लाज खुद रखनी चाहिए और यह सोचना चाहिए कि देश उनके बारे में क्या सोचता है। चुनाव आयोग का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसकी वजह से दुनिया में बदनामी हुई है। आजम ने कहा कि ईडी, विकास प्राधिकरण और सीबीआई जैसी एजेंसियों की वजह से लोग दुखी और परेशान हैं।उन्होंने अपनी संपत्ति और जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि उनके पास इस घर के अलावा कोई दूसरा मकान नहीं है। 50 साल तक लखनऊ की राजनीति में रहे और चार बार मंत्री बने, लेकिन आज भी उनके पास दूसरा घर नहीं है। बावजूद आयकर विभाग ने उनके खिलाफ कितना बड़ा हिसाब निकाल दिया। उन्होंने दावा किया कि जौहर विश्वविद्यालय के भवन वर्ष 2004, 2005 और 2006 में ही बन चुके थे। उस समय 90 प्रतिशत भवन तैयार हो चुके थे। आयकर विभाग ने गलत दरों के आधार पर आकलन किया। उन्होंने कहा कि जब जौहर विश्वविद्यालय बनी थी, तब रामपुर विकास प्राधिकरण का गठन भी नहीं हुआ था। बच्चों से बीड़ी बनवा लेता, लेकिन जेल नहीं जाने देता-आजम खां ने कहा कि आजादी से बढ़कर कोई दौलत नहीं है। वह अपने बच्चों से बीड़ी बनवा लेते, लेकिन उन्हें जेल नहीं जाने देते, भले ही इसके लिए उन्हें रिक्शा चलाना पड़ता। उन्होंने कहा कि उनके साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, वह अमानवीय था। मानवाधिकार आयोग के नियमों का उल्लंघन हुआ और बहुत ज्यादती की गई। उन्होंने अपने वजन का जिक्र करते हुए कहा कि पहले उनका वजन 98 किलो था, जो अब घटकर 70 किलो रह गया है। उन्होंने कहा कि उन पर चोरी, बेईमानी और कमीशन लेने का आरोप नहीं लगा, बल्कि उनसे मुर्गी, बकरी और भैंस चोरी करवाने जैसी बातें की गईं।ईडी के साथ आई मुरादाबाद पुलिस ने पहुंचाई चोट-आजम खां ने आरोप लगाया कि ईडी की कार्रवाई के दौरान मुरादाबाद पुलिस उन्हें चोट पहुंचाई। उन्होंने अपने साथ हुए व्यवहार को अमानवीय बताते हुए मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया।चुनाव जाति और धर्म के नाम पर नहीं होगा-आगामी चुनाव के सवाल पर आजम खां ने कहा कि अभी चुनाव में काफी वक्त है। आने वाला कोई चुनाव जाति और धर्म के नाम पर नहीं होगा। उन्होंने कहा कि धर्म को धर्म वाले और मजहब को मजहब वाले ही नुकसान पहुंचा रहे हैं। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का नाम लिए बिना उन पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि वह बैरिस्टर हैं, मौलाना नहीं। साथ ही हैदराबादी बिरयानी का जिक्र करते हुए कहा कि उनके इलाके में इसे पसंद नहीं किया जाता।

संक्षिप्त समाचार

डिलारी पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग में एक युवक को किया गिरफ्तार



मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद के थाना डिलारी पुलिस ने संज्ञेय अपराध को रोकने और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दिनांक 19 नवंबर 2026 को थाना डिलारी पुलिस ने समय 12ः35 बजे ग्राम अदलपुर निवासी गुड्डू पुत्र नन्हे, उम्र करीब 22 वर्ष को गिरफ्तार किया। पुलिस ने युवक के खिलाफ (बीएनएसएस) की धारा के तहत कार्रवाई करते हुए उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करने के लिए भेजा है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने और किसी भी संभावित संज्ञेय अपराध को रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई है।

तेज रफ्तार वाहन को बचाने के चक्कर में ऑटो पलटा, दो भाई गंभीर घायल



फतेहगंज पश्चिमी। शशांक गुप्ता (मोनू गुप्ता) फतेहगंज पश्चिमी। थाना क्षेत्र में एएनए कट से शाही जाने वाले मार्ग पर सामने से तेज रफ्तार वाहन को बचाने के प्रयास में एक ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में ऑटो चालक और उनके सगे भाई घायल हो गए।पुलिस ने इनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक बृहस्पतिवार शाही थाना क्षेत्र के गांव दुनका निवासी सुनील कुमार और उनके भाई धर्मेंद्र कुमार अन्य परिजनों के साथ खुद के ऑटो के द्वारा बरेली किसी शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे।ऑटो सुनील चला रहे थे। देर शाम एएनए रोड पर सामने से आ रहे तेज रफ्तार वाहन को बचाने के प्रयास में ऑटो अनियंत्रित होकर खाई में पलट गया। हादसे में सुनील कुमार और उनके भाई धर्मेंद्र घायल हो गए। धर्मेंद्र के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आने से उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को उपचार के लिए एंबुलेंस के द्वारा अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ऑटो को थाने में लाकर खड़ा कर दिया है।

पति अंकुर पाल ने गुमशुदगी दर्ज

फतेहगंज पश्चिमी। शशांक गुप्ता (मोनू गुप्ता) फतेहगंज पश्चिमी। बृहस्पतिवार को इलाके के एक गांव एक महिला तीन बच्चों की मां घर से अचानक गायब हो गई।पति अंकुर पाल ने गुमशुदगी दर्ज कराई है। अंकुर पाल ने बताया बुधवार शाम को उनकी पत्नी स्थानीय कस्बा में खरीद दारी करने गई थी।देर रात घर नहीं लौटी तो चिंता हुई।काफी तलाशा लेकिन कहीं नहीं मिली।बृहस्पतिवार को पति अंकुर की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की है।उनके तीन बच्चे है।

चेयरमैन क्रिकेट कप में बाबूजी इलेवन और आयात ट्रेडर्स टीम पहुंची फाइनल में

@ क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी। शशांक गुप्ता (मोनू गुप्ता) कस्बे में चल रहे चेयरमैन क्रिकेट कप में बृहस्पतिवार को दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। जीत के बाद बाबूजी इलेवन और आयात ट्रेडर्स टीम फाइनल में पहुंच गईं।शुक्रवार को दोनों टीम फाइनल खेलेंगी। पहला मैच फईम इलेवन और बाबूजी इलेवन के बीच खेला गया। फईम इलेवन की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 87 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बाबूजी इलेवन की टीम ने 88 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। दूसरा मैच फ्रेंड्स क्लब और आयात ट्रेडर्स के बीच हुआ। फ्रेंड्स क्लब की टीम सात ओवर एक गेंद में 41 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। जवाब में आयात ट्रेडर्स की टीम ने तीन ओवर एक गेंद में 42 रन बनाकर आसानी से जीत हासिल कर ली। आयोजक हारून चौधरी ने बताया जीती हुई दोनो टीम फाइनल में पहुंच गई है।शुक्रवार को दोनों टीमों के बीच फाइनल मैच खेला जाएगा। वही बृहस्पतिवार के मैंचों में रोहित उपाध्याय और कासिम अली मैन ऑफ द मैच चुने गए।

एडवोकेट जयपाल सिंह कश्यप बने भाजपा ओबीसी मोर्चा के बृज क्षेत्रीय महामंत्री

दया हॉस्पिटल परिवार ने किया भव्य स्वागत एवं अभिनंदन

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(ब्यूरो) भारतीय जनता पार्टी के संगठन में एडवोकेट जयपाल सिंह कश्यप को ओबीसी मोर्चा के बृज क्षेत्र का क्षेत्रीय महामंत्री बनाए जाने पर समर्थकों, शुभचिंतकों और सामाजिक संगठनों में खुशी की लहर है। उनकी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर दया हॉस्पिटल परिवार की ओर से हर्ष व्यक्त करते हुए उनका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

दया हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर के निदेशक डॉ. दीपक गुप्ता ने एडवोकेट जयपाल सिंह कश्यप को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि संगठन में महत्वपूर्ण दायित्व मिलना उनके प्रति पार्टी के विश्वास और उनकी संगठनात्मक सक्रियता का परिचायक है। उन्हें विश्वास है कि जयपाल सिंह कश्यप अपनी जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे।

डॉ. दीपक गुप्ता ने कहा कि जयपाल सिंह कश्यप के क्षेत्रीय महामंत्री बनने से संगठन को मजबूती मिलेगी और पिछड़े वर्ग के लोगों को संगठन से जोड़ने तथा उनकी आवाज को प्रभावी ढंग से उठाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर दया हॉस्पिटल परिवार ने उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि वह पार्टी संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय 'फुटबॉल फॉर स्कूल्स' कार्यक्रम के तहत विधायक ने बांटी फुटबॉल

@ क्यूँ न लिखूँ सच



फतेहगंज पश्चिमी। शशांक गुप्ता (मोनू गुप्ता) रफियाबाद स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में बृहस्पतिवार को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के निर्देशन में विधायक डीसी वर्मा ने विकासखंड मीरगंज ,फतेहगंज पश्चिमी के करीब दो दर्जन स्कूलों को फुटबॉल बांटकर शारीरिक शक्ति बढ़ाने के लिए छात्र छात्राओं का किया आवाहन।

पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य निशि सिन्हा ने बताया विद्यार्थियों में खेल का बढ़ावा देकर शारीरिक रूप से उन्हें मजबूत करने के उद्देश्य से विद्यालयों में फुटबॉल देने का सरकार ने निर्णय लिया है।जिसके चलते भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने जवाहर नवोदय विद्यालय को नोडल बनाकर जिले के सभी विधालयों को फुटबॉल बांटने की जिम्मेदारी दी है।इस परिपेक्ष में बृहस्पतिवार को ब्लॉक मीरगंज,फतेहगंज पश्चिमी के विद्यालयों के प्रबंधकों को बुलाकर फुटबॉल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि 119 मीरगंज विधायक डीसी वर्मा ने बुलाए विद्यालय प्रबंधकों को फुटबॉल बांटकर विद्यार्थियों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ अनुशासन, टीम भावना और आपसी सहयोग की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फुटबॉल जैसे खेल विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्या श्रीमती निशि सिन्हा, आलोक कुमार, संजीव तोमर, रंजीत, अवधेश गुप्ता, अनुप्रिया शेरावत सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुएं में गिरी गाय को नटेरन पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से सुरक्षित बाहर निकाला, खाकी ने पेश की संवेदनशीलता और मानवता की मिसाल



विदिशा (हाकम सिंह रघुवंशी) थाना नटेरन क्षेत्रांतर्गत ग्राम पमारिया में एक गाय (नटवा) अचानक कुएं में गिर गई। घटना की जानकारी मिलते ही थाना नटेरन में पदस्थ उप निरीक्षक शालिकराम प्रजापति एवं आरक्षक धर्मेंद्र अहिरवार तत्काल मौके पर पहुंचे और गाय को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू कार्य प्रारंभ किया।

पुलिस टीम द्वारा ग्राम सरपंच एवं ग्रामीणजनों के सहयोग से कुएं में रस्से डालकर काफी मशक्कत की गई। पुलिसकर्मियों एवं ग्रामीणों के संयुक्त प्रयासों से रेस्क्यू अभियान सफल रहा और कुएं में गिरी गाय को सकुशल एवं सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मानवता और संवेदनशीलता का सराहनीय परिचय -विदिशा पुलिस का यह प्रयास दर्शाता है कि पुलिस केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि संकट की प्रत्येक घड़ी में आमजन की सहायता करने और बेजुबान जीवों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए उनकी सुरक्षा के लिए भी तत्पर है। खाकी का कर्तव्य केवल कानून की रक्षा करना नहीं, बल्कि मानवता और संवेदनशीलता के साथ हर जीवन की रक्षा के लिए प्रयासरत रहना भी है। इस सराहनीय कार्य में उप निरीक्षक शालिकराम प्रजापति एवं आरक्षक धर्मेंद्र अहिरवार, ग्राम सरपंच गंगाराम धाकड़, ग्राम चौकीदार एवं सहयोग करने वाले समस्त ग्रामीणजनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गंगा स्नान पर्व को लेकर प्रशासन अलर्ट, एसडीएम-सीओ ने गक्खरपुर में घाट, पुल और मेला स्थल का किया निरीक्षण



मुरादाबाद। आगामी गंगा स्नान पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में थाना डिलारी क्षेत्र के ग्राम गक्खरपुर में एसडीएम ठाकुरद्वारा और क्षेत्राधिकारी ठाकुरद्वारा ने प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ गंगा स्नान घाट, घाट तक जाने वाले पुल, मेला स्थल और रास्तों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) डिलारी तथा थाना डिलारी के प्रभारी निरीक्षक शाकेन्द्र सिंह भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने गंगा स्नान के दौरान श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए घाट तक पहुंचने के रास्ते, पुल और मेला स्थल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस दौरान पर्व पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर निरीक्षण किया गया, ताकि गंगा स्नान के अवसर पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। प्रशासनिक अधिकारियों के इस निरीक्षण से साफ है कि गंगा स्नान पर्व को लेकर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को प्राथमिकता दी जा रही है।

डिलारी पुलिस की कार्रवाई, दो वारंटी महिला गिरफ्तार; न्यायालय में किया पेश



मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद के थाना डिलारी पुलिस ने न्यायालय से संबंधित एक मामले में कार्रवाई करते हुए दो महिला वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई की। थाना डिलारी पुलिस के अनुसार, 19 नवंबर 2026 को रपट संख्या 38, समय दोपहर 2ः27 बजे पुलिस टीम ने ग्राम तगाला निवासी फईम जहाँ पत्नी शफीक और नाजमा पुत्री शफीक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों वारंटियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। थाना डिलारी पुलिस की इस कार्रवाई को न्यायालय से जारी वारंटों के अनुपालन के तहत की गई कार्रवाई बताया गया है।

If someone suddenly has an epileptic seizure, don't panic; do these important things immediately to protect the patient's life and safety.



Instead of panicking during an epileptic seizure, it's important to know the correct first aid to prevent injury. Witnessing someone having an epileptic seizure can be a frightening experience, when someone suddenly loses consciousness, starts convulsing, or collapses. However, to handle this situation, it's essential to have proper first aid knowledge so that the patient can be saved from the risk of injury and recover quickly. To do this, first and foremost, keep yourself calm and consider the safety of the person around you. Let's explore what to do if someone has an epileptic seizure: What to do if someone has an epileptic seizure? If someone in front of you is having an epileptic seizure and is about to fall, it's your responsibility to carefully hold them and safely lay them down on the floor. During this time, be especially careful to ensure there are no sharp or injury-causing objects lying around. Next, place a soft cloth or pillow under the patient's neck and ensure the clothing around the neck is loose. If possible, try to have the patient lie on their side. Note the duration of the seizure and stay with the patient until they regain consciousness. Myths and common mistakes to avoid: During a seizure, the patient cannot swallow their tongue, so do not try to insert a finger, spoon, or piece of cloth into their mouth. A seizure lasts longer than 5 minutes, repeated seizures without the patient regaining consciousness, difficulty breathing, injury, and a first-time seizure are some of the situations that require immediate medical attention. When to contact a neurosurgeon? A neurosurgeon can evaluate and determine the type of seizure. Brain scans, EEG, and medications can help with treatment. As a neurosurgeon, I believe that a patient can opt for surgery if the seizures are not controlled even with medication, especially if it is known which part of the brain is causing it.

Giving live updates to your parents after marriage is a toxic habit. Before sharing anything, remember these things.

Telling your parents everything about your in-laws after marriage can be a toxic habit, potentially straining relationships. When a girl gets married, she doesn't leave her parents' home during her departure, as family members no longer physically present, but instead make their presence felt digitally. It's also completely true that initially, girls don't feel safe in a new home, surrounded by new people. There, only their husband is there to help them get to know the entire family. In an arranged marriage, a girl relies heavily on her parents' home for emotional security. Consequently, women tend to share everything about their in-laws with their parents, including personal matters that probably shouldn't have been shared outside the walls. Therefore, it's crucial to understand the fine line between what should be shared with their parents and what requires caution. Respecting the privacy of the in-laws - Every household contains many personal matters related to money, property, and family disputes that no one but the family members knows. When a girl marries and joins the family, she becomes more a member of that household than her parents'. These matters should not be shared with anyone unless they have a material impact on the woman's life. Respecting the family's privacy is a key responsibility of a new daughter-in-law. Third-party interference - Often, conflicts between couples are caused by a third party. In difficult situations, whether a solution is found or not, interference increases. This weakens the foundation of trust that strengthens the relationship. Misinterpretation - How someone interprets something depends entirely on their understanding. Sometimes, a girl may share a casual conversation with her parents, but it is misinterpreted and becomes a major issue. This can cause a strain in the relationship between the two families. Keeping parents worried - Parents always want that their daughter should be happy in her in-laws' house. If the girl keeps telling every small and big bad thing of her in-laws' house to her parents, then somewhere she is increasing the tension of her parents by conveying her worries to them. This insecurity, once it gets ingrained in the mind, cannot be removed easily. Spoiling the image of the in-laws - Always telling negative things does not allow the in-laws' image to remain the same in the parents' house, which it is at the time of marriage. Due to this, not only the distance increases but the trust also starts decreasing.



Pollution begins to impact children's health even in the womb. 48 risks that can leave a lifelong impact

Environmental pollution has a profound impact on children's health, beginning during pregnancy, and can leave a lifelong impact. Deteriorating environmental conditions are as impactful on health as they are on nature. The most worrying aspect is that its effects begin during pregnancy and persist well into the postpartum period. A recent study has revealed important insights, suggesting that exposure to polluted environments during childhood can pose even greater health risks. The lasting impact of environmental conditions - A new study found that early environmental conditions can leave a relatively lasting impact on health. Environmental exposures such as indoor air pollution and dietary quality during childhood can impact health and behavior. Maternal smoking during pregnancy has been linked to higher BMI and behaviors such as aggression and impulsivity in children, many of which persist into adolescence. Six Risks Identified During Pregnancy and 42 Risks During Childhood - Researchers at the Barcelona Institute for Global Health (ISGlobal) conducted this study. They found that six risks during pregnancy and 42 during childhood are associated with the highest risk. These identified risks were simultaneously associated with multiple health outcomes and domains. Environmental Risks Over Life - This study, recently published in Science Advances, demonstrates the link between early-life environmental risks and health. The researchers used a comprehensive exposome approach to study the relationship of risks with health in four domains: heart and metabolic disorders, mental health, respiratory problems, and allergies. The term exposome simply refers to all environmental risks a person is exposed to throughout their life. These include factors such as diet, tobacco smoke, and air pollution.



Nawazuddin Siddiqui creates a stir as an eccentric doctor, Dr. Hassan teaser out; streaming on Jio Hotstar on this date



The makers have unveiled the release date of Nawazuddin Siddiqui and Dia Mirza's upcoming web series, Dr. Hassan, by releasing a powerful teaser. The teaser for Nawazuddin and Dia Mirza's series is out - Nawazuddin Siddiqui will play an eccentric doctor in Dr. Hassan - a Hindi remake of the American series House. Early this morning, Dia Mirza revealed that working with Nawazuddin Siddiqui was her worst nightmare. She shared a post about Nawazuddin's attitude, to which the actor responded rudely. Everyone was wondering what had happened between the two. Now, all these questions have been answered, as it's become clear that this feud between Nawazuddin Siddiqui and Dia Mirza isn't off-screen, but on-screen, a glimpse of which was seen in the teaser of their new series, Dr. Hassan. Teaser of the upcoming series, Dr. Hassan, has been released. Jio Hotstar has shared a powerful teaser of the brand new series, starring Nawazuddin and Dia Mirza, on its official Instagram. It begins with the eccentric Dr. Hassan, who says, "Sometimes people think doctors are God... I feel like they haven't met me." Then, a glimpse of him breaks the line with the help of a stick. A voice asks, "Can't you see the line?" Dr. Hassan replies, "Can't you see the handicapped?" Thus, the teaser introduces Nawazuddin Siddiqui's character, who is portrayed as a carefree individual. He is a doctor whose capricious attitude troubles every staff member in the hospital. Sharing the teaser, the makers wrote in the caption, "Meet the medical world's most no-filter character - Dr. Hassan. He's brilliant, yet ruthless. This is the Hindi adaptation of the American drama series House. Released on OTT platform on this date in December - Nawazuddin Siddiqui and Dia Mirza starrer Dr. Hassan will stream on the OTT platform Jio Hotstar on December 11th. The series is directed by Rohan Sippy and produced by Banijay Asia. Speaking about Dr. Hassan, Banijay Asia said, "House has been loved by audiences worldwide for years, so we've taken every detail into consideration while adapting it for Indian audiences." They further added, "Dr. Hassan is the Indian version of the same story, presented in a way that audiences here can relate to." The most special part of this story is the character, who is very intelligent, has many flaws, his behavior is sometimes difficult, but it is not easy to ignore him." Apart from Nawazuddin Siddiqui and Dia Mirza, the series also features strong actors like Faisal Rashid, Rehmat Ratan, Jayson Tham and Smran Sanu.

Bollywood's boat is afloat with the help of 'faith'; 7 films including Ramayana earned 4657 crores; a new history of success is written.

Mythological films have always been a lucky charm for Indian cinema. Along with Ramayana, these six films also made the box office rich. 7 films including 'Ramayana' earned 4000 crores. 'Brahmastra' and 'OMG 2' films saved the sinking ship of cinema. shown in theaters, but an emotional years, the inclination of Bollywood and mythological films. Today, we're Indian cinema, including Ranbir catapulted Bollywood and the Indian budgets, created a history at the box Before Ranbir Kapoor's Ramayanam, Released in 2022, director Ayan fantasy in the film. While simplifying mythology, the penance of ancient crore worldwide. Oh My God 2 - avoided directly connecting Oh My of Bholenath's messenger. Kanti (Pankaj Tripathi) is portrayed as a great devotee of Shiva. The story's background and events are woven within a religious and mythological setting. OMG 2 grossed ?221.08 crore at the box office. Kantara: Chapter 1 - Following the successful box office success of Rishabh Shetty's Kantara, he spared no effort to bring the folklore-based prequel, Kantara: Chapter 1, to a worldwide audience. The film's story is rooted in the folklore of Tulunadu, the Shaivite tradition, and the protective deities. Set against the backdrop of the Kadamba dynasty, the film grossed ?852.36 crore worldwide. Kalki 2898 AD - The mythological connection of the Prabhas and Deepika Padukone starrer, Kalki 2898 AD, primarily revolves around the curse of the immortal Ashwatthama, the end of the Mahabharata war, and the emergence of Lord Vishnu's tenth incarnation, Kalki, at the peak of Kali Yuga. Director Nag Ashwin combined mythology with science in the film. The film received mixed reviews, but it managed to gross ?1100 crore worldwide. Kartikeya 2 - Kartikeya 2 was a low-budget film that brought to life the unique story of Lord Krishna's search for his mysterious divine anklet. The story begins at the end of the Dwapara Yuga. Nikhil Siddhartha played Dr. Kartikeya. The film, made with a budget of ?15 crore, grossed ?121 crore in its lifetime. Hanuman Ansh - Hanuman Ansh is a prime example of the power of faith and a good story. Directed by Vishal Chaturvedi, the film grossed ?449 crore in its lifetime at the box office. The story is based on the life of Neem Karoli Baba, depicting his devotion to the mighty Hanuman. Ramayanam - Ramayanam is the highest-grossing mythological film at the Indian box office. Ranbir Kapoor and Yash starrer mythological film did business of Rs 800 crore at the domestic box office and more than Rs 1400 crore at the worldwide box office. If the earnings of all these mythological and devotional movies are added, then in the last few years, only mythological films have brought business of more than Rs 4 thousand crore at the box office.



The daughter-in-law's maternal home will become the groom's family's new home, the stunning trailer of "Yeh Prem Mol Liya" has been a must-watch for married couples.

The trailer for Ayushmann Khurrana and Sharvari's film "Yeh Prem Mol Liya" has captured everyone's hearts as soon as it arrived. Each dialogue in the movie is so captivating that audiences declared it a blockbuster even before its been released - the film reveals the true meaning of Ayushmann-Sharvari's movie a superhit. We often hear in-laws' home after marriage. From childhood, girls are Productions, which has been making family films for with its upcoming film, "Yeh Prem Mol Liya." The Ayushmann Khurrana and Sharvari, has finally been stir on YouTube regarding the concept of marriage that trailer of Yeh Prem Mol Liya won hearts - Rajshri YouTube account shortly. The trailer of the family who says that my father has filed this case against my the husband of Poorva Solanki. This is where the test release. The stunning trailer for "Yeh Prem Mol Liya" has marriage beyond rituals and customs - Audiences call that a woman has to leave her maternal home and go to her told that they are someone else's property. However, Rajshri years, is preparing to explore the true meaning of marriage explosive trailer for "Yeh Prem Mol Liya," starring released. As soon as this trailer came out, it created such a people declared ait a superhit even before its release. The Productions shared the trailer of Yeh Prem Liya on its drama film starts with a voice over by Ayushmann Khurrana, wife's family. I am not only the son of Ved Mishra, but also of a true life partner begins. Prem expresses his love to Poorva and says that he does not want to get into a relationship and wants to get married directly. Poorva does not want to leave her family for the sake of her responsibility. After which, Prem not only goes to Poorva's house and becomes her son-in-law, but also breaks the tradition of the maternal and in-laws' home and brings both families together in a 50-50 partnership. The short trailer of "Yeh Prem Mol Liya" strikes a powerful blow to conservative thinking, clearly explaining that the relationship between husband and wife is not based on societal customs, but rather on the depths of the heart. A single line in the trailer won the audience's hearts. The trailer for Ayushmann Khurrana and Sharvari's.

